कोटा में सीमा सुरक्षा बल का शौर्य प्रदर्शन

माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

देश की सीमाओं पर भारत की 130 करोड़ जनता की सुरक्षा करने वाले प्रथम पंक्ति के, सीमा सुरक्षा बल के सभी जवानों का हम कोटा की धरती पर अभिनन्दन करते हैं।

आज इस ऐतिहासिक धरती पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों, महिला सैनिकों के अदम्य साहस और शौर्य को देखेंगे। यहाँ पधारे सभी देशभक्त भाइयो और बहिनों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

सीमा सुरक्षा बल भारत की सीमाओं पर, चाहे पाकिस्तान की सीमा हो, चाहे अन्य सीमाएं हों, उन सीमाओं पर, जहाँ हिमालय के पहाड़ हों, तपता रेगिस्तान हो, चाहे जंगल हो, वहाँ पर हमारे सैनिक इस देश की जनता की सुरक्षा के लिए हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहकर सुरक्षा करने का काम करते हैं।

जब आप इन सेना के जवानों, इन सुरक्षाकर्मियों को देखेंगे कि किस तरीके से लौंगेवाल पोस्ट पर, जहाँ 50 डिग्री टेम्परेचर रहता है, वहाँ सीमा पर सुरक्षा करके भारत सुरक्षित रहे, इसके लिए वे संकल्पित होकर काम करते हैं। चाहे हिमालय की पहाड़ियाँ हों, जंगली इलाके हों, मैंने खुद देखा है कि जिन परिस्थितियों में ये हमारी रक्षा करते हैं, निश्चित रूप से भारत की जनता उनको नमन करती है।

सीमा सुरक्षा बल सीमाओं पर तो सुरक्षा करता ही है, लेकिन कोई आपदा, कोई संकट या विपदा आती है, तो यह आंतरिक सुरक्षा का भी काम करता है। इसीलिए इन जवानों ने अपने अदम्य साहस, शौर्य और वीरता से पूरे देश की जनता का दिल जीता है। आज आप देखेंगे कि किस तरीके से, चाहे जवान हों या महिला जवान हों, वे अदम्य साहस से अपने शौर्य को दिखाकर आपको एक नयी प्रेरणा देने का काम करेंगे।

मेरे नौजवान साथी जब आज इस साहसिक कार्य को देखेंगे, तो उनमें भी नयी प्रेरणा आएगी, नई जागृति आएगी ताकि इस भारत की माटी के लिए देश के समक्ष सुरक्षा के लिए, देश की सर्वोच्च

सेवा के लिए हमेशा इसी तरीके से कटिबद्ध होकर सेवा करते रहेंगे और भारत माता का मस्तक हमेशा ऊँचा रखेंगे।

मैं पुन: सीमा सुरक्षा बल के जवानों का आज कोटा की धरती पर हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। वे इसी तरीके से, कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी भारत की जनता की सुरक्षा करते रहें।